

हिमाचल प्रदेश में खुली सिगरेटों और बीड़ियों के विक्रय का प्रतिषेध और  
सिगरेटों तथा अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार का विनियमन  
विधेयक, 2016

(विधानसभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश में खुली सिगरेटों और बीड़ियों के विक्रय का प्रतिषेध और  
सिगरेटों तथा अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार का विनियमन  
विधेयक, 2016

खण्डों का क्रम

खण्ड:

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ ।
2. परिभाषाएं ।
3. खुली सिगरेटों और बीड़ियों के विक्रय का प्रतिषेध ।
4. तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार पर निर्बन्धन ।
5. तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार के प्रयोजन के लिए रजिस्ट्रीकरण ।
6. विधिमान्य रजिस्ट्रीकरण के बिना तम्बाकू उत्पादों के विक्रय के लिए दण्ड ।
7. खुली सिगरेटों और बीड़ियों के विक्रय के लिए दण्ड ।
8. प्रवेश करने, तलाशी लेने और अभिग्रहण करने की शक्ति ।
9. अपराधों का संज्ञेय और जमानतीय होना ।
10. अपराधों का शमन ।
11. सद्भावपूर्वक की गई कार्रवाई के लिए संरक्षण ।
12. नियम बनाने की शक्ति ।

हिमाचल प्रदेश में खुली सिगरेटों और बीड़ियों के विक्रय का प्रतिषेध और  
सिगरेटों तथा अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार का विनियमन  
विधेयक, 2016

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश राज्य में खुली सिगरेटों और बीड़ियों का विक्रय प्रतिषिद्ध करने तथा सिगरेटों और अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार का विनियमन करने तथा उनसे सम्बन्धित या उनके आनुषंगिक विषयों का उपबन्ध करने के लिए विधेयक।

भारत गणराज्य के सड़सठवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश में खुली सिगरेटों और बीड़ियों के विक्रय का प्रतिषेध और सिगरेटों तथा अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार का विनियमन अधिनियम, 2016 है ।

संक्षिप्त नाम  
और प्रारम्भ।

(2) यह ऐसी तारीख को प्रवृत्त होगा जैसी राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे ।

2. (1) इस अधिनियम में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न परिभाषाएं। हो,-

(क) "सिगरेट" और "बीड़ी" के अन्तर्गत,-

- (i) किसी कागज या किसी अन्य पदार्थ में, जिसमें तम्बाकू न हो, लपेटी गई तम्बाकू की कोई रोल है; या
- (ii) तम्बाकू से युक्त किसी पदार्थ में लपेटी गई तम्बाकू की कोई रोल, जिसका उसके रूप, फिल्टर में प्रयुक्त तम्बाकू की किस्म या उसकी पैकेजिंग और लेबल के कारण सिगरेट या बीड़ी के रूप में प्रस्तुत किया जाना या उपभोक्ताओं द्वारा क्रय किया जाना संभाव्य हो, भी है;



(ख) "विहित" से, इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा विहित अभिप्रेत है;

(ग) "विक्रय" से, उसके व्याकरणिक रूपभेदों और सजातीय पदों के साथ किसी एक व्यक्ति द्वारा दूसरे को माल में सम्पत्ति का अंतरण करना अभिप्रेत है चाहे नकदी के लिए हो या उधार पर हो या विनिमय के रूप में हो और चाहे थोक या फुटकर में हो तथा इसके अन्तर्गत विक्रय के लिए कोई करार, विक्रय का प्रस्ताव या विक्रय के लिए अभिदर्शन भी है;

(घ) "परिसर" से, कोई ऐसा स्थान या वेसल अभिप्रेत है, जहां इस अधिनियम में विनिर्दिष्ट किसी भी प्रकार का खुदरा कारबार या किसी सिगरेट पदार्थ का और अन्य तम्बाकू उत्पादों का भण्डारण या खुदरा विक्रय किया जाता है;

(ङ) "व्यक्ति" से, कोई प्रकृत व्यक्ति, भागीदारी, सहकारी संगम, निगम, व्यक्तिगत प्रतिनिधि, प्रापक, न्यासी, समनुदेशिनी या कोई या अन्य विधिक अस्तित्व अभिप्रेत है;

(च) "तम्बाकू उत्पाद" से, सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद अभिप्रेत हैं;

(छ) "रजिस्ट्रीकरण" से, इस अधिनियम की धारा 5 के अधीन प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण अभिप्रेत है; और

(ज) "रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी" से, ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत है जैसा राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा पदाभिहित करे ।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इस अधिनियम में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 में परिभाषित हैं ।



3. कोई भी व्यक्ति हिमाचल प्रदेश राज्य के भीतर, खुली सिगरेटों या बीड़ियों का विक्रय, विक्रय के लिए प्रस्थापना या विक्रय अनुज्ञात नहीं करेगा। खुली सिगरेटों और बीड़ियों के विक्रय का प्रतिषेध।

4. कोई भी व्यक्ति इस अधिनियम की धारा 5 के अधीन रजिस्ट्रीकरण करवाए बिना किसी भी तम्बाकू उत्पाद का खुदरा कारबार नहीं करेगा। तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार पर निर्बन्धन।

5. (1) कोई भी व्यक्ति जो सिगरेटों या अन्य तम्बाकू उत्पादों का खुदरा कारबार कर रहा है या कारबार करना चाहता है तो वह रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को, ऐसे प्ररूप और ऐसी रीति में तथा ऐसी फीस के संदाय पर, जैसी विहित की जाए, आवेदन करेगा। तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार के प्रयोजन के लिए रजिस्ट्रीकरण।

10 (2) उपधारा (1) के अधीन आवेदन की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी ऐसे आवेदन की प्राप्ति से छह मास की अवधि के भीतर ऐसे प्ररूप में, ऐसी विशिष्टियों और ऐसी सूचना से अन्तर्विष्ट, जैसी विहित की जाए, रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा। रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र तीन वर्ष की अवधि के लिए जारी किया जाएगा और उसे ऐसी फीस के संदाय पर, ऐसी अवधि के लिए और ऐसी रीति में नवीकृत किया जा सकेगा, जैसी विहित की जाए।

15 (3) यदि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का, छानबीन करने पर समाधान हो जाता है कि उपधारा (1) के अधीन प्रस्तुत आवेदन सभी प्रकार से पूर्ण नहीं है तो वह सम्बद्ध व्यक्ति को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देने के पश्चात् उसे नामंजूर कर सकेगा।

20 (4) रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र, परिसर में सहजदृश्य स्थान पर ऐसी रीति में चिपकाया जाएगा ताकि यह सभी को दृश्यमान हो।

(5) रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र अनन्तरणीय होगा।

विधिमान्य  
रजिस्ट्रीकरण  
के बिना  
तम्बाकू  
उत्पादों के  
विक्रय के लिए  
दण्ड।

6. (1) कोई भी व्यक्ति जो धारा 4 और 5 के उपबन्धों का उल्लंघन करता है, इस अधिनियम के अधीन अपराध का दोषी होगा और दोषसिद्धि पर, कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास तक की हो सकेगी या जुर्माने से जो पचास हजार रुपए तक का हो सकेगा या दोनों से और द्वितीय या पश्चात्वर्ती उल्लंघन के लिए कारावास से, जो एक वर्ष तक का हो सकेगा या जुर्माने से जो एक लाख रुपए तक का हो सकेगा, दण्डित किया जाएगा।

5

(2) उपधारा (1) के अधीन यथा उपबन्धित के सिवाय, कोई सामग्री या अन्य तम्बाकू उत्पाद, जिसकी बाबत इस अधिनियम के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया गया है या किया जा रहा है, अधिहरण (जब्ती) के लिए दायी होगा।

खुली सिगरेटों  
और बिड़ियों  
के विक्रय के  
लिए दण्ड।

7. (1) कोई भी व्यक्ति जो धारा 3 या धारा 5 की उपधारा (4) या (5) के उपबन्धों का उल्लंघन करता है, इस अधिनियम के अधीन अपराध का दोषी होगा और प्रथम अपराध के लिए दस हजार रुपए और द्वितीय तथा प्रत्येक पश्चात्वर्ती अपराध के लिए पन्द्रह हजार रुपए के जुर्माने से दण्डनीय होगा।

10

(2) इस धारा के अधीन समस्त अपराध शमनीय होंगे और दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 में संक्षिप्त विचारण के लिए उपबन्धित प्रक्रिया के अनुसार संक्षिप्तया विचारे जाएंगे।

15

प्रवेश करने,  
तलाशी लेने  
और  
अभिग्रहण  
करने की  
शक्ति।

8. (1) कोई भी पुलिस अधिकारी जो सहायक उप-निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो या राज्य सरकार का कोई प्राधिकृत अधिकारी, यदि उसके पास संदेह का कारण है कि इस अधिनियम के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया गया है या किया जा रहा है, किसी कारबार परिसर या किसी अन्य स्थान जहां सिगरेटों और बिड़ियों या किसी अन्य तम्बाकू उत्पाद का खुदरा कारबार किया जा रहा है या जहां ऐसे उत्पादों का भण्डारण किया गया है, में किसी युक्तियुक्त समय पर, विहित रीति में, प्रवेश कर सकेगा और तलाशी ले सकेगा।

20

(2) यदि किसी पुलिस अधिकारी, जो सहायक उप-निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो या राज्य सरकार के प्राधिकृत अधिकारी के पास संदेह का कारण है कि इस अधिनियम के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया गया है या किया जा रहा है, तो वह ऐसी सामग्री का, ऐसी रीति में, जैसी विहित की जाए, अभिग्रहण कर सकेगा।

25



(3) इस अधिनियम के अधीन की गई प्रत्येक तलाशी और अभिग्रहण को दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के उपबन्ध लागू होंगे।

9. इस अधिनियम के अन्तर्गत समस्त अपराध संज्ञेय और जमानतीय अपराधों का संज्ञेय और जमानतीय होना।  
होंगे।

5 10. (1) इस अधिनियम की धारा 3 के अधीन किए गए किसी अपराध अपराधों का अभियोजन के संस्थित किए जाने से पूर्व या उसके पश्चात् राज्य सरकार द्वारा शमन।  
प्राधिकृत ऐसे अधिकारी द्वारा पाँच हजार रुपए की रकम के लिए शमन किया जा सकेगा।

10 (2) जहां किसी अपराध का उपधारा (1) के अधीन शमन किया गया है, वहां अपराधी यदि वह अभिरक्षा में है, तो उसे उन्मोचित कर दिया जाएगा और ऐसे अपराध के सम्बन्ध में उसके विरुद्ध कोई अगामी कार्यवाही नहीं की जाएगी।

11. इस अधिनियम के अधीन सद्भावपूर्वक की गई या की जाने के लिए सद्भावपूर्वक आशयित किसी बात के लिए कोई वाद, अभियोजन या अन्य विधिक कार्यवाही की गई कार्यवाही के राज्य सरकार या राज्य सरकार के किसी अधिकारी के विरुद्ध नहीं की जाएगी। लिए संरक्षण।

15 12. (1) राज्य सरकार इस अधिनियम के उपबन्धों को कार्यान्वित करने नियम बनाने की के लिए, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, नियम बना सकेगी। शक्ति।

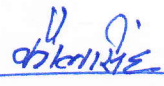
20 (2) इस अधिनियम के अधीन बनाया गया प्रत्येक नियम इसके बनाए जाने के पश्चात् यथाशक्य शीघ्र, विधान सभा के समक्ष, जब वह कुल पन्द्रह दिन की अवधि के लिए सत्र में हो, जो एक या दो या दो से अधिक आनुक्रमिक सत्रों में पूरी हो सकेगी, रखा जाएगा, और यदि उस सत्र के या पूर्वोक्त आनुक्रमिक सत्रों के ठीक बाद के सत्र के अवसान से पूर्व यदि विधान सभा नियम में कोई उपान्तरण करने में सहमत हो जाए या विधान सभा सहमत हो जाए कि नियम नहीं बनाया जाना चाहिए तो तत्पश्चात् नियम, यथास्थिति, केवल ऐसे उपान्तरित रूप में ही प्रभावी होगा या उसका कोई प्रभाव नहीं होगा, तथापि ऐसे किसी उपान्तरण या 25 बातिलिकरण से उस नियम के अधीन पहले की गई किसी बात की विधिमान्यता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।



## उद्देश्यों और कारणों का कथन

केन्द्रीय अधिनियम, सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 में सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार को विनियमित करने का कोई उपबन्ध नहीं है। जनसाधारण और विशेषतया युवा पीढ़ी, जो एक सिगरेट या खुली सिगरेटें खरीदती है, द्वारा सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों का सेवन हतोत्साहित करने के दृष्टिगत तथा तम्बाकू जनित रोगों, निःशक्तता, कम जनन क्षमता, रूग्णता और मर्त्यता से सम्बन्धित स्वास्थ्य सेवाओं पर उपगत वित्तीय बोझ को कम करने के लिए भी खुली सिगरेटों और बीड़ियों के विक्रय पर प्रतिबन्ध लगाने और विधि द्वारा राज्य में सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार का रजिस्ट्रीकरण करना अनिवार्य बनाने का विनिश्चय किया गया है। सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 सिगरेटों और अन्य तम्बाकू उत्पादों की पैकेजिंग और लेबलिंग की रीति का उपबन्ध करता है किन्तु ऐसी खुली सिगरेटों, जिन पर सेवन के खतरों से सम्बन्धित विहित चेतावनी चिन्ह नहीं है, की विक्री पर मौन है। तदनुसार खुली सिगरेटों/बीड़ियों के विक्रय से युवा पीढ़ी द्वारा इनके सेवन को हतोत्साहित करने का उद्देश्य विफल हो जाएगा, क्योंकि उपभोक्ता के लिए इनके सेवन से खतरों के बारे में इन पर कोई चेतावनी नहीं है। नैनीताल स्थित माननीय उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय ने भी रिट पिटीशन (पी. आई. एल.) नम्बर 37 ऑफ 2014 तारीख 03-06-2014 के अपने निर्णय में अभिनिर्धारित किया है कि खुली सिगरेटों के विक्रय को अनुज्ञात नहीं किया जाना चाहिए। प्रस्तावित विधान, सिगरेटों और अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार करने वाले खुदरा व्यापारियों के रजिस्ट्रीकरण तथा राज्य में खुली सिगरेटों और बीड़ियों की विक्री पर पूर्णतया प्रतिषेध अधिरोपित करने का उपबन्ध करता है। इसके अतिरिक्त, विधेयक किसी व्यक्ति द्वारा इसके उपबन्धों का उल्लंघन करने के लिए दण्ड का उपबन्ध करता है और पुलिस अधिकारी या राज्य सरकार के किसी प्राधिकृत अधिकारी को, ऐसे कारबार के परिसर या किसी अन्य स्थान, जहां सिगरेटों या अन्य तम्बाकू उत्पादों का खुदरा कारबार किया जा रहा है या जहां ऐसे उत्पादों का भण्डारण किया गया है, में प्रवेश करने और तलाशी लेने तथा यदि उसके पास विश्वास का कारण है कि उपबन्धों का उल्लंघन किया जा रहा है, तो ऐसी सामग्री को अधिहृत करने के लिए भी सशक्त करता है। अपराध संज्ञेय, जमानतीय और शमनीय होंगे।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

  
(कौल सिंह ठाकुर)  
प्रमारी मन्त्री।

शिमला:  
तारीख.....2016

(कौल सिंह ठाकुर)  
स्वास्थ्य, विधि मन्त्री,  
हिमाचल प्रदेश।

### वित्तीय ज्ञापन

विधेयक के उपबन्ध अधिनियमित किए जाने पर विद्यमान सरकारी तन्त्र द्वारा कार्यान्वित किए जाएंगे और राजकोष से कोई अतिरिक्त व्यय नहीं होगा।

---

### प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

विधेयक का खण्ड 12 राज्य सरकार को अधिनियम के उपबन्धों को कार्यान्वित करने हेतु नियम बनाने के लिए सशक्त करता है। प्रस्तावित शक्तियों का प्रत्यायोजन अनिवार्य और सामान्य स्वरूप का है।

---

हिमाचल प्रदेश में खुली सिगरेटों और बीड़ियों के विक्रय का प्रतिषेध और सिगरेटों तथा अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार का विनियमन विधेयक, 2016

हिमाचल प्रदेश राज्य में खुली सिगरेटों और बीड़ियों का विक्रय प्रतिषिद्ध करने तथा सिगरेटों और अन्य तम्बाकू उत्पादों के खुदरा कारबार का विनियमन करने तथा उनसे सम्बन्धित या उनके आनुषंगिक विषयों का उपबन्ध करने के लिए विधेयक।



(कौल सिंह ठाकुर)  
प्रभारी मन्त्री।

(कौल सिंह ठाकुर)  
स्वास्थ्य, राक्षस एवं विधि मंत्री,  
हिमाचल प्रदेश।

(डॉ० बलदेव सिंह)  
प्रधान सचिव (विधि)।

शिमला:  
तारीख \_\_\_\_\_ 2016



*AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT*

BILL NO. 18 OF 2016

**THE HIMACHAL PRADESH PROHIBITION OF SALE OF LOOSE  
CIGARETTES AND BEEDIES AND REGULATION OF RETAIL BUSINESS  
OF CIGARETTES AND OTHER TOBACCO PRODUCTS BILL, 2016**

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

**THE HIMACHAL PRADESH PROHIBITION OF SALE OF LOOSE  
CIGARETTES AND BEEDIES AND REGULATION OF RETAIL BUSINESS  
OF CIGARETTES AND OTHER TOBACCO PRODUCTS BILL, 2016**

**ARRANGEMENT OF CLAUSES**

**Clauses:**

1. Short title and commencement.
2. Definitions.
3. Prohibition of sale of loose cigarettes and beedies.
4. Restriction on retail business of tobacco products.
5. Registration for the purpose of retail business of tobacco products.
6. Punishment for sale of tobacco products without a valid registration.
7. Punishment for sale of loose cigarettes and beedies.
8. Power of entry, search and seizure.
9. Offences to be cognizable and bailable.
10. Composition of offences.
11. Protection of action taken in good faith.
12. Power to make rules.

**THE HIMACHAL PRADESH PROHIBITION OF SALE OF LOOSE  
CIGARETTES AND BEEDIES AND REGULATION OF RETAIL BUSINESS  
OF CIGARETTES AND OTHER TOBACCO PRODUCTS BILL, 2016**

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

*to provide for prohibition of sale of loose cigarettes and beedies and regulation of retail business of cigarettes and other tobacco products operating in the State of Himachal Pradesh and for matters connected therewith or incidental thereto.*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Sixty-seventh Year of the Republic of India as follows:—

5           1.   (1) This Act may be called the Himachal Pradesh Prohibition of Sale of Loose Cigarettes and Beedies and Regulation of Retail Business of Cigarettes and Other Tobacco Products Act, 2016. Short title and commencement.

          (2) It shall come into force on such date as the State Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2.   (1) In this Act, unless the context otherwise requires,— Definitions.

(a) "cigarette" and "beedi" includes,—

10           (i) any roll of tobacco wrapped in paper or in any other substance not containing tobacco; or

          (ii) any roll of tobacco wrapped in any substance containing tobacco, which, by reason of its appearance, the type of tobacco used in the filter, or by its packaging and labeling, is likely to be offered to, or purchased by consumers as cigarette or beedi;

15

(b) "prescribed" means prescribed by rules made under this Act;



- (c) "sale" with its grammatical variations and cognate expressions, means any transfer of property in Goods by one person to another, whether for cash or on credit, or by way of exchange, and whether wholesale, or retail, and includes an agreement for sale, offer for sale or exposure for sale;
- (d) "premises" means any location or vessel where any form of retail business specified in this Act or storage or retail sale of any article of cigarettes and other tobacco products is done;
- (e) "person" means any natural person, partnership, co-operative association, corporation, personal representative, receiver, trustee, assignee, or any other legal entity;
- (f) "tobacco products" means the products specified in the Schedule appended to the Cigarettes and Other Tobacco Products (Prohibition of Advertisement and Regulation of Trade and Commerce, Production, Supply, and Distribution) Act, 2003;
- (g) "registration" means the registration granted under section 5 of this Act; and
- (h) "Registering Authority" means such authority as the State Government may, by notification, designate.

(2) The words and expressions used in this Act, but not defined, shall have the meanings as defined in the Cigarettes and Other Tobacco Products (Prohibition of Advertisement and Regulation of Trade and Commerce, Production, Supply and Distribution) Act, 2003.

Prohibition  
of sale  
of loose  
cigarettes and  
beedies.

3. No person shall sell, offer for sale, or permit sale of loose cigarettes or beedies within the State of Himachal Pradesh.

Restriction  
on retail  
business  
of tobacco  
products.

4. No person shall carry retail business of any tobacco products without being registered under section 5 of this Act.

5. (1) Any person who is carrying on or intends to carry on retail business of cigarettes and other tobacco products, shall make an application to the Registering Authority in such form and in such manner and on payment of such fee as may be prescribed.

Registration for the purpose of retail business of tobacco products.

5 (2) On receipt of application under sub-section (1), the Registering Authority shall, within a period of six months from the receipt of such application, grant Registration Certificate in such form, containing such particulars and such information as may be prescribed. The Registration Certificate shall be issued for a period of three years and may be renewed on payment of such fee and for such period and in such manner as may be prescribed.

10 (3) If on security the Registering Authority is satisfied that the application submitted under sub-section (1) is not complete in all respect, he may reject the same after affording the reasonable opportunity of being heard to the person concerned.

15 (4) The Registration Certificate shall be kept affixed in a conspicuous place in the premises in such manner as to be visible to everyone.

(5) The Registration Certificate shall be non-transferable.

20 6. (1) Any person who contravenes the provisions of section 4 shall be guilty of an offence under this Act and shall, on conviction, be punished with imprisonment for a term which may extend to three months or with fine which may extend to fifty thousand rupees or with both, and for the second or subsequent contravention, with imprisonment which may extend to one year and with fine which may extend to one lac rupees.

Punishment for sale of tobacco products without a valid registration.

25 (2) Save as provided under sub-section (1), any material or other tobacco products in respect of which any provision of this Act has been or is being contravened, shall be liable to confiscation.

30 7. (1) Any person who contravenes the provisions of section 3 or sub-section (4) or (5) of section 5 shall be guilty of an offence under this Act and shall be punishable with fine of ten thousand rupees for the first offence and with fine of fifteen thousand rupees for the second and subsequent offence.

Punishment for sale of loose cigarettes and beedies.



(2) All offences under this section shall be compoundable and shall be tried summarily in accordance with the procedure provided for summary trial in the Code of Criminal Procedure, 1973.

Power of entry, search and seizure

8. (1) Any police officer, not below the rank of Assistant Sub-Inspector or any authorized officer of the State Government may, if he has reason to suspect that any provision of this Act has been, or is being, contravened, enter and search in the manner prescribed, at any reasonable time, any business premises or any other place where retail business of cigarettes or beedies or any other tobacco products is being carried or where such products are stored.

5

10

(2) If any police officer, not below the rank of Assistant Sub-Inspector or authorized officer of the State Government has reason to believe that any of the provisions of this Act has been, or is being, contravened, he may seize such material in the manner prescribed.

(3) The provisions of Code of Criminal Procedure, 1973 shall apply to every search and seizure made under this Act.

15

Offences to be cognizable and bailable.

9. All offences under this Act shall be cognizable and bailable.

Composition of offences.

10. (1) Any offence committed under section 3 of this Act may, either before or after the institution of the prosecution, be compounded by such officer authorized by the State Government for an amount of five thousand rupees.

20

(2) Where an offence has been compounded under sub-section (1), the offender, if in custody, shall be discharged and no further proceeding shall be taken against him in respect of such offence.

Protection of action taken in good faith.

11. No suit, prosecution or other legal proceeding shall lie against the State Government or any officer of the State Government for anything which is in good faith done or intended to be done under this Act.

25

Power to make rules.

12. (1) The State Government may, by notification in the Official Gazette, make rules to carry out the provisions of this Act.

(2) Every rule made under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made, before the Legislative Assembly, while it is in session, for a total period of fifteen days which may be comprised in one session or in two or more successive sessions, and if, before the expiry of the session immediately following the session or the successive sessions aforesaid, and if the Assembly agrees in making any modification in the rule, or if assembly agrees that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be, so however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.



## STATEMENT OF OBJECT AND REASONS

The Cigarette and Other Tobacco Products (Prohibition of Advertisement and Regulation of Trade and Commerce, Production, Supply and Distribution) Act, 2003, which is a Central Act has no provision for regulation of retail business of the Cigarette and other Tobacco products. With a view to discourage the consumption of Cigarettes and other Tobacco products by the general public and especially by the younger generation who use to purchase single cigarette or loose cigarettes and also to reduce the financial burden on healthcare spent on tobacco-caused diseases, disability, low productivity, morbidity and mortality, it has been decided to ban the sale of loose cigarettes and beedies and to make it mandatory for the registration of retail business of cigarette and other tobacco products in the State by law. The Cigarette and Other Tobacco Products (Prohibition of Advertisement and Regulation of Trade and Commerce, Production, Supply and Distribution) Act, 2003 provides for the manner of packaging and labeling of cigarettes and other tobacco products but is silent on the sale of loose cigarettes which do not have the prescribed warning signs mentioning the dangers of consumption. Accordingly, sale of loose cigarettes/beedies may defeat the purpose of discouraging the consumption among younger generation as there is no warning to the consumer about the dangers of consumption. The Hon'ble High Court of Utrakhand at Nainital has also held in its judgment in Writ Petition (PIL) No. 37 of 2014 dated 3-6-2014 that the sale of loose cigarettes should not be allowed. The proposed legislation provides for the registration of the retailers carrying retail business of the cigarettes and other tobacco products and imposition of complete prohibition on sale of loose cigarettes and beedies in the State. The Bill further provides for punishment for contravention of its provisions by any person and also empowers the police officer or any authorized officer of the State Government to enter and search the business premises or any other place where retail business of cigarettes and other tobacco products is being carried or where such products are stored and may seize such material if he has reason to believe that the provisions are being contravened. The offences shall be cognizable, bailable and compoundable.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

*Handwritten signature*

**(KAUL SINGH THAKUR)**  
*Minister-in-Charge.*

Shimla:  
The.....2016.

**(KAUL SINGH THAKUR)**  
**Health, Revenue & Law Minister,**  
**Himachal Pradesh.**

## FINANCIAL MEMORANDUM

The provisions of the Bill, if enacted will be implemented through the existing Government machinery and there will be no additional expenditure out of the State Exchequer.

---

## MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

Clause 12 of the Bill seeks to empower the State Government to make rules to carry out the provisions of the Act. The proposed delegation of power is essential and normal in character.

---



**THE HIMACHAL PRADESH PROHIBITION OF SALE OF LOOSE  
CIGARETTES AND BEEDIES AND REGULATION OF RETAIL BUSINESS OF  
CIGARETTES AND OTHER TOBACCO PRODUCTS BILL, 2016**

A

BILL

*to provide for prohibition of sale of loose cigarettes and beedies and regulation of retail business of cigarettes and other tobacco products operating in the State of Himachal Pradesh and for matters connected therewith or incidental thereto.*



**(KAUL SINGH THAKUR)**

*Minister-in-Charge.*

(KAUL SINGH THAKUR)  
Health, Revenue & Law Minister,  
Himachal Pradesh.

**(DR. BALDEV SINGH)**

*Pr. Secretary (Law).*

SHIMLA:

The....., 2016.